

၁၃၂၄ ၁၁-၁၃။ ၆၀၈ ၁၃၄
၁၃၂၅-၁၃၇၁၅....

~ यूपर्लिस-परमार्थ-प्रज्ञाणसंदर्भ

१८७२.१३.१८
राजस्थान राज्य कला विद्यालय, अमरपुरा, राजस्थान
कला विद्यालय के लिए विद्युति वित्तीय सहायता की जाएगी।

(आर्यन के द्वारा गंगे तथा अमृत नदी का विवरण है)

पंक्ति	(ए) उत्तीर्ण क्र. सं.	विभागीय की वार्ता	(ब) विभागीय वार्ता	प्रत्येक के बारे	विभागीय वार्ता	विभागीय वार्ता
	Mangir Rajaon P.S. Bhopal I.bho 225 (Chhajda)					

(५) दस्तावेज ह इनुष्ठार वरदः दद्य कहे।

(३) १। पर्याप्त विद्या ग्रन्थ की भव और असाधुओं विवरित हैं जो

(३) १। दक्षिण का विकास की ओर जाने वाले विदेशी देशों को अपना भवित्व बनाया जाएगा।

ATTESTED

NOTARY, PATNA BLDG.

२१. जल्दी कि उपर्युक्त अवधारणा वा बदलाएँ की छी, उत्तर सम्प्राप्ति की प्रगायित छह दिनों तक हो देणा ।

सिंह व्यापक ने उठाया। —१०—८५६ अप्रैल किसान—

(二四九)

(१८०८) — लिपि—

प्रधानमंत्री जी का स्वागत करने वाले दिन अधिकारी ने बोला-

(संस्कार) :-

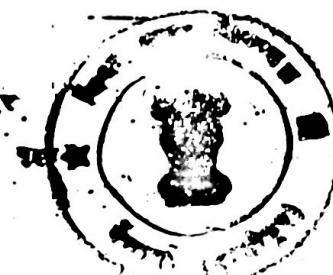
(अस्त्राय) :— लिपि—

卷之三

३८८
ग्रिला निवासन-कार्यालय, हाजीपुर

४५

كما في



ATTESTED
B. K. BILAL
BOTAN, PATNA, BIHAR
27/1/16

विवरण प्राप्तिकारी द्वारा संस्थापित

४ नं सम्बन्धार और लक्ष्मीर विद्यार्थी को ही के वारेक्ष द्वारा एवं उत्तुर-तांगिलि विद्यरण के जनकार वाले गये ।
 ५ अब विद्यरण के मिशन विद्यरण देहर (क्रियो) इन्हा सम्बन्धियों को : भारतीय दलालेश्वरों में विद्यरण द्वारा ही
 ६ न इस्टोरिकल-सम्बन्धार (इस्टोरिकल) इह विद्यारण विद्यार्थियों को आविष्ट ह किये वायदे ।

(४) :- शिवस्त्रन बड़ी उपरांत ले गुणवत्ता का अधिक प्रयोग करते हैं।

किसी भूमि के नाम से उपर्युक्त विषय विवरण जारी रखना आवश्यक प्रक्रिया है। उसके बाद एवं वही वापसी की जाएगी।

(८) : श्रीराम के पातेक ने अपेक्षित दृग्गति स्वरूप की है और युक्ति उसके द्वारा इडे गये बन्धदारों द्वारा छलपाठी के द्वारा भ्रष्ट कर दिया जाता है। एक ऐसी विस्तृत वाचनक दृग्गति इह है गये एवं उभयधारा द्वारा बन्धदारों को दृढ़ के लिए यह श्री राम जिम्मेदार है द्वारा विस्तृत वाचनक दृग्गति द्वारा दृढ़ करता है।

कार्यालय जिला निवंधक, दैशाली

पत्रांक ८९५ दिनांक १२/१६/७५

यावेदक श्री Royal Heritage College of Education, Raigarh रायगढ़
परिषद् स्वतंस्थित गोपनीय नं १०२-४०७०११। (गोपनीय १०२)

जिला अवस्था संकेतन

25 Aug